LOK SABHA

Friday, July 25, 1969/Sravana 3, 1891 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the chair*]

RETURN OF U.S. ASTRONAUTS FROM MOON

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Tyagi.

श्री कंवरलाल गुप्त : उपाध्यक्ष महोदय, आज तीन एस्ट्रोनाट्स वापस पृथ्वी पर आ गए हैं। यह बहुत खुशी की बात है। इस सदन को इस पर प्रसन्नता प्रकट करनी चाहिए और उन्हें बधाई का सन्देश देना चाहिए।

SHRI SHEO NARAIN : Is he a school boy ? That is the simple question before you Sir.

श्री रणजीत सिंह : डिपुटी-स्पीकर साहब की तरफ से हम सबको मिठाई बांटी जानी चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The other day we gave a standing ovation and wished them a safe home-landing. We are all happy, everyone of us, to share the joy of the world over this great achievement of the two astronauts....

SOME HON. MEMBERS : Three.

MR. DEPUTY-SPEAKER : .....and I think I am voicing the sentiments and feelings of the entire House on the subject,

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उपाध्यक्ष महोदय, वे लोग धरती पर आ गये हैं। अब हम लोग भी ज़रा धरती पर आ जायें।

श्री स० मो० बनर्जी : मेरा निवेदन है कि वे लोग तो धरती पर आ गये हैं, लेकिन अगर आज के लिए जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी के माननीय सदस्यों को चन्द्रमा पर भेज दिया जाये, तो अच्छा हो।

श्री रणधीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, क्या आपकी तरफ से मिठाई नहीं बंटेगी ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : I entirely share your feeling. This is an occasion which should be celebrated, and at some places even schools holidays have been declared. I read in the papers. It is a right thing to do, because our younger generation also should know the significance of this great achievement.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

सरकारी कर्मचारियों को प्राप्त पी०टी०ओ० रियायतों में संशोधन की मांग

*121. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी कर्मचारी बार-बार यह मांग करते आ रहे हैं कि पी० टी० ओ० दिए जाने से सम्बन्धित उपबंधों में इस प्रकार संशोधन किया जाना चाहिए जिस से उन्हें वर्ष में एक बार यह रियायत मिले और उन्हें पहले 400 किलो मीटर की प्रतिपूर्ति की जाये;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इन मांगों पर विचार करेगी।

(ग) क्या यह भी सच है कि रेलवे कर्मचारियों को प्रति वर्ष अनेक पास तथा पी० टी० ओ० मिलते हैं ;